LIBRARY

School of Planning And Architecture ,Bhopal

S.No.51 (April 2025)

सिटी भास्कर पेज नं. 4

06/05/2025

City भास्कर

भोपाल • मंगलवार, 6 मई 2025

शेयर-ए-शायरी...

जाति की जनगणना में, अब सार नजर आए हैं,
बदले-बदले से मेरे, सरकार नजर आए हैं...

- तेजसिंह ठाकुर 'तेज'

आप भी अपनी टू लाइनर शायरी 99810 65515 पर भेज सकते हैं।

नए सत्र में भविष्य की जरूरतों के हिसाब से भोपाल के नेशनल लेवल के कॉलेजों में नए यूजी-पीजी कोर्सेज डिजाइन

मैनिट पढ़ाएगा एनर्जी इकोनॉमिक्स, एसपीए सिखाएगा सिविल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट तो आईआईएफएम सस्टेनेबल फाइनेंस

कॅरियर के नए ऑप्शन्स

सिटी रिपोर्टर | शहरों में मकान बने, दुकान बने या फिर कोई पुल इनकी गुणवत्ता बेहतर हो, ई-व्हीकल का इस्तेमाल वर्तमान में मौजूद गाड़ियों की तुलना में ज्यादा आसान हो, उनमें रिन्युएबल ऊर्जा स्रोतों के नए विकल्प भी ढूंढ़े जा सकें, भविष्य की ऐसी ही जरूरतों को देखते हुए शहर के नेशनल लेवल कॉलेजों ने अपने कोर्सेज को अपडेट किया है। ऐसे में कुछ कॉलेजों ने जहां पीजी लेवल के नए प्रोग्राम शुरू किए हैं, तो कुछ में नए स्पेशलाइजेशन जोड़े गए हैं। इन नए कोर्सेज के चलते स्टूडेंट्स के लिए इस बार किस तरह के नए कोर्सेज के ऑप्शंस खुल रहे हैं, जाना सिटी भास्कर ने।

एनर्जी पर दो नए प्रोग्राम जुड़े

मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) ने नए एकेडेमिक सेशन से दो नए प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है, यह प्रोग्राम हैं बीटेक इन एनर्जी एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल इंजीनियरिंग और एमएससी इन एनर्जी इकोनॉमिक्स। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य स्टूडेंट्स को रिन्युएबल एनर्जी के क्षेत्र में जाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि इस क्षेत्र में रिसर्च बढ़े और नए इनोवेशंस सामने आएं। बीटेक इन एनर्जी एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल इंजीनियरिंग अंडरग्रेजुएट लेवल का प्रोग्राम है और जिसमें जेईई के जरिए ही एडमिशन मिलेगा। मैनिट भोपाल के एनर्जी सेंटर के प्रमुख डॉ. अरविंद मित्तल ने बताया - ये पाठ्यक्रम अगली पीढ़ी के प्रोफेशनल्स को तैयार करने के लिए बनाए गए हैं।

पहला मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल इस नए सत्र से बैचलर्स इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (बीईएम) प्रोग्राम शुरू कर रहा है। इस कोर्स के इंचार्ज डॉ. सुशील कुमार बताते हैं कि - यहां नया डिपार्टमेंट ही इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट का शुरू किया गया है। इसमें यह पहला मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम है। इसकी शुरुआत अभी 25 सीटों के साथ की गई है, जिसमें बीटेक सिविल इंजीनियरिंग और बी-आर्क दोनों की पढ़ाई वाले छात्र हिस्सा ले सकते हैं। यह ऐसे प्रोफेशनल्स तैयार करेगा, जो आर्किटेक्चर में इनोवेशन लेकर आएं, साथ ही साइट और पूरे प्रोजेक्ट के मैनेजमेंट का जिम्मा भी उठा सकें। अभी तक यह कोर्स सिर्फ एसपीए दिल्ली और एसपीए विजयवाड़ा में था।

डिग्री में बदले डिप्लोमा कोर्स

आईआईएफएम में इस बार कोर्सेज को लेकर बड़े बदलाव किए गए हैं। इस साल से यहां के सारे पीजी डिप्लोमा कोर्सेज को एमबीए डिग्री प्रोग्राम में बदल दिया गया है। साथ ही, इस साल से दो कोर्सेज भी शुरू किए गए हैं। यह कोर्स हैं मास्टर्स इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट और मास्टर्स इन डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबल फाइनेंस। इन दोनों कोर्सेज को 75-75 सीटों पर इन-टेक के साथ शुरू किया गया है, जिसकी पहले लेवल की काउंसलिंग भी शुरू हो गई है। इसके साथ ही पहली बार आईआईएफएम में पीएचडी प्रोग्राम भी शुरू किया गया है, जिसमें 30 सीटें रखी गई हैं। ऐसे में इस साल से 150 स्टूडेंट्स को मैनेजमेंट के दो नए ट्रेड्स चुनने का मौका मिलेगा।

तीन नए करिकुलम जोड़े

साइबर लॉ में जुड़े तीन नए स्पेशलाइजेशन एनएलआईयू ने मास्टर्स ऑफ साइबर लॉ एंड सिक्योरिटी प्रोग्राम के तहत इस साल तीन नए करिकुलम जोड़े गए हैं। इसके तहत छात्र आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस इमर्जिंग टेक्नोलॉजी और कानून के तहत एआई, ब्लॉकचेन, आईओटी से संबंधित विधिक और नैतिक पहलुओं की पढ़ाई करेंगे। इसके अलावा वेब एप्लीकेशन सिक्योरिटी एंड कानून, में वेब एप्लिकेशन की सुरक्षा और डेटा उल्लंघनों व डिजिटल फॉरेंसिक से जुड़े कानूनी ढांचे को समझेंगे। जबकि, करिकुलम है - फंडामेंटल्स ऑफ सिक्योरिटी आर्किटेक्चर मॉडल्स एंड आइडेंटिटी मैनेजमेंट, इसमें सुरक्षित प्रणाली डिजाइन, एक्सेस कंट्रोल और डिजिटल पहचान की जानकारी दी जाएगी।